



आभिव्यक्ति

राजभाषा विभाग,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर मंडल
अंक : 11, फरवरी - 2022

मार्गदर्शक श्याम सुंदर गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक	मुख्य संपादक लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी	संपादक निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी	उप संपादक मनोज कुमार साहू वरिष्ठ अनुवादक
---	---	---	--

रायपुर मंडल के बिल्हा-लखौली-रायपुर सेक्शन का महाप्रबंधक वार्षिक निरीक्षण

दिनांक 11 फरवरी 2022 को श्री आलोक कुमार, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा रायपुर रेल मंडल के बिल्हा-लखौली रामपुर सेक्शन का वार्षिक निरीक्षण किया गया और इस दौरान संरक्षा, सुरक्षा एवं यात्री सुविधाएं जैसे महत्वपूर्ण मदों के साथ-साथ रेल संचालन से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की गई।



महाप्रबंधक महोदय ने सर्वप्रथम बिल्हा रेलवे स्टेशन पर विद्यमान यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन पर चल रहे विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया तत्पश्चात उनके द्वारा रिले रूम, पैनल रूम एवं रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण किया गया। साथ ही उनके कर कमलों से नवनिर्मित गैंग टूल रूम एवं रेस्ट रूम, बाल उद्यान एवं ओपन जिम तथा रेल कर्मचारियों के लिए रेल आवास का उद्घाटन किया गया।

इसी कड़ी में बिल्हा स्टेशन पर प्वाइंट एवं क्रासिंग एवं बिल्हा फाटक की भी जांच की गई।

महाप्रबंधक महोदय द्वारा बिलासपुर-रायपुर सेक्शन के दगोरी - निपनिया के मध्य शिवनाथ नदी पर स्थित ब्रिज नं. 462 अप शिवनाथ ब्रिज एवं दगोरी - निपनिया के मध्य कर्व का भी गहन निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही उन्होंने कार्यस्थल पर कार्यरत इंजीनियरिंग विभाग के ट्रैकमेन कर्मचारियों से उनकी कार्य प्रणाली के बारे में संवाद भी किया। फिर महाप्रबंधक महोदय ने बैकुंठ- सिलयारी के बीच एल. सी नंबर 401 कुंदरू फाटक का निरीक्षण किया।



लखौली पहुंचकर महाप्रबंधक महोदय द्वारा लखौली स्टेशन पर यात्री सुविधाओं एवं रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण किया गया तथा उनके करकमलों से बाल उद्यान एवं जिम का उद्घाटन किया गया। उन्होंने लखौली स्टेशन पर विभिन्न विभागों/यूनिटों द्वारा लगाए गए नवाचार प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इस क्रम में लखौली स्टेशन पर ट्रैक मशीन के टेस्टिंग के प्रदर्शन एवं विभिन्न सुरक्षा उपकरणों की जांच करके भी देखा।



अंत में महाप्रबंधक महोदय ने रायपुर स्टेशन पहुंचकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों के सदस्यों, रेलवे यूनियनों, व्यापारिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रेल से जुड़े विकासात्मक विषयों पर चर्चा भी की।

निरीक्षण के दौरान में महाप्रबंधक महोदय के साथ रायपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता, बिलासपुर मुख्यालय के सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष एवं रायपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्य को कोविड-19 के नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए संपन्न किया गया। इस दौरान रायपुर मंडल की मेडिकल टीम भी साथ में रही।



‘ कल्याणी ’



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रेल कर्मचारियों की कल्याणकारी गतिविधियों को उन्नत बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में कार्मिक विभाग रायपुर मंडल द्वारा कर्मचारियों की असामयिक निधन पर उनके आश्रितों के मार्गदर्शन के लिए ‘ कल्याणी ’ नामक मार्गदर्शिका प्रकाशित की गई। इसका विमोचन महाप्रबंधक वार्षिक निरीक्षण के दौरान माननीय महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम सुंदर गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर, श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन), एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



साधारणतया किसी कर्मचारी के असामयिक निधन हो जाने के पश्चात उनके परिजनों व आश्रितों को सेटलमेंट एवं अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में बहुत से तथ्यों की जानकारी आसानी से नहीं मिल पाती है। इस मार्गदर्शिका के माध्यम से अब उन्हें प्रत्येक प्रश्नों की जानकारी सहजता से प्राप्त हो जाएगी। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री उदय कुमार भारती के मार्गदर्शन में उक्त मार्गदर्शिका का संकलन एवं संयोजन श्री फरीदी निसार अहमद, मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक द्वारा श्रीमती निकिता अग्रवाल, भा.रे.का.से (प्रशिक्षु अधिकारी) तथा सुश्री रूहीना तुफैल खान भा.रे.का.से (प्रशिक्षु अधिकारी) के सहयोग से किया गया।

मॉडिफाइड व्हील लिफ्टिंग गैजेट

मॉडिफाइड व्हील लिफ्टिंग गैजेट यांत्रिक विभाग का एक क्रांतिकारी इनोवेशन है। वस्तुतः जब कभी किसी मालगाड़ी के व्हील में कोई खराबी आ जाती है तब रेल से उस मालडिब्बा को उसी स्थान पर काटना एवं गंतव्य की ओर जाने से पहले उस डिब्बे के खराब व्हील को बदलना अपरिहार्य हो जाता है। परंतु इसके लिए पहले अच्छे चक्के की ढुलाई एवं व्हील बदली के कार्य हेतु रेल वैगन क्रेन की जरूरत होती थी। इसे ले जाने हेतु रेल इंजन एवं ज्यादा संख्या में स्टाफ की भी



आवश्यकता पड़ती थी। साथ ही साथ रेल ट्रैफिक भी बाधित होती थी। इन असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मॉडिफाइड व्हील लिफ्टिंग गैजेट का निर्माण किया गया, जिसे ट्रक में डाल कर संबंधित सेक्शन पर ले जाया जा सकता है एवं अच्छे चक्के को उतारकर खराब व्हील की बदली की जा सकती है तथा निकले हुए खराब व्हील को इस गैजेट के माध्यम से वापस



शेड में उसी दिन लाया भी जा सकता है। रेलवे के एक चक्के का वजन लगभग 1.5 टन होता है, जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना काफी असुविधाजनक कार्य है। साथ ही अलग-अलग रेल खंडों की भौगोलिक स्थिति अलग-अलग होने के कारण रेलवे को एक ऐसे गैजेट तैयार करने की जरूरत थी, जिसे कहीं भी और किसी भी अवस्था में व्हील को उठाने एवं ले जाने हेतु लाया जा सके एवं उसी गैजेट के माध्यम से बेकार चक्के को बैक लोडिंग कर वापस जांच हेतु अपेक्षित स्थान पर पहुंचाया जा

सके। जहां पहले उक्त कार्य को करने में महीनों लग जाते थे, अब उसे उक्त गैजेट का प्रयोग कर उसी दिन निष्पादित किया जा रहा है और उस पृथक वैगन को उसके गंतव्य के लिए काफी कम समय में तैयार कर लिया जा रहा है।

इस गैजेट के प्रयोग से न सिर्फ रेलवे का परिचालन सुगम हुआ है वरन् रेल राजस्व में भी बहुत बड़ी बचत हुई है। इस गैजेट की खासियत यह है कि इसे कैरिज एवं वैगन/बी.एम.वाय. के इन हाउस स्टाफ के द्वारा परित्यक्त सामानों का प्रयोग कर बनाया गया है। इसे विकसित करने में उन्होंने अथक परिश्रम एवं विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है।

इस गजट की सराहना समय-समय पर विभिन्न रेलवे अधिकारियों द्वारा की गई है एवं प्रोत्साहन राशि भी दी गयी है, जिससे कर्मचारियों के बीच कुछ नया करने की इच्छा और भी बलवती हो गई है। महाप्रबंधक वार्षिक निरीक्षण के दौरान भी इसे लखौली स्टेशन पर डिस्प्ले किया गया।

- प्रदीप गिरि
वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (कै. एवं वै.)
बी.एम.वाय.

सौदागर और कप्तान

एक सौदागर समुद्री यात्रा कर रहा था, एक रोज उसने जहाज के कप्तान से पूछा, "कैसी मौत से तुम्हारे बाप मरे?" कप्तान ने कहा, "जनाब, मेरे पिता, मेरे दादा और मेरे परदादा समंदर में डूब मरे।"

सौदागर ने कहा, "तो बार-बार समुद्र की यात्रा करते हुए तुम्हें समंदर में डूबकर मरने का खौफ नहीं होता?"

"बिलकुल नहीं," कप्तान ने कहा, "जनाब, कृपा करके बतलाइए कि आपके पिता, दादा और परदादा किस मौत के घाट उतरे?"

सौदागर ने कहा, "जैसे दूसरे लोग मरते हैं, वे पलंग पर सुख की मौत मरे।"

कप्तान ने जवाब दिया, "तो आपको पलंग पर लेटने का जितना खौफ होना चाहिए, उससे ज्यादा मुझे समुद्र में जाने का नहीं।"

विपत्ति का अभ्यास पड़ जाने पर वह हमारे लिए रोजमर्रा की बात बन जाती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

अच्छा कौन

एक ट्रेन में चार यात्री यात्रा कर रहे थे। उनमें एक बंगाली, एक तमिल, एक एंग्लो-इंडियन तथा एक हिंदी भाषी था। वे लोग अपनी-अपनी भाषा पर बात कर रहे थे।

बंगाली महोदय बोले, "बांग्ला सबसे मीठी भाषा है। इसने भारतीय साहित्य को अत्यंत उच्चकोटि के साहित्य से समृद्ध किया है।

तमिल भाषी महोदय बोले, "तमिल भाषा बहुत प्राचीन है। इसका साहित्य बहुत उच्चकोटि का है। इसका प्रादुर्भाव तब हुआ था, जब आर्य-भाषा निम्न स्तर में थी।"

एंग्लो-इंडियन महोदय भला कैसे चुप रहते, वह बोले, "अंग्रेज़ी सबसे अच्छी, सबसे सरल भाषा है। यह लगभग पूरे विश्व में बोली एवं जानी जाती है। इसका साहित्य अत्यंत समृद्ध है। इसका दूसरी भाषाओं से क्या मुकाबला!"

अब चौथे यात्री की बारी थी। वह किसी हिंदी-भाषी क्षेत्र के ग्रामीण रहे होंगे, बोले, "आप लोगों की बातें सही हैं, मगर आप लोग बातें तो हिंदी में कर रहे हैं।" बाकी तीनों एक-दूसरे के मुंह देखने लगे।

- चितरंजन भारती

सुधार

एक जनहित की संस्था में कुछ सदस्यों ने आवाज उठाई, संस्था का काम असंतोषजनक चल रहा है। इसमें बहुत सुधार होना चाहिए। संस्था बरबाद हो रही है। इसे डूबने से बचाना चाहिए। इसको या तो सुधारना चाहिए या भंग कर देना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष ने पूछा कि किन-किन सदस्यों को असंतोष है। दस सदस्यों ने असंतोष व्यक्त किया।

अध्यक्ष ने कहा, 'हमें सब लोगों का सहयोग चाहिए। सबको संतोष हो, इसी तरह हम काम करना चाहते हैं। आप दस सज्जन क्या सुधार चाहते हैं कृपा कर बतलावें।'

और उन दस सदस्यों ने आपस में विचार कर जो सुधार सुझाए, वे ये थे -

'संस्था में चार सभापति, तीन उप-सभापति और तीन मंत्री और होने चाहिए।'

- हरिशंकर परसाई

एक सुंदर प्रसंग

एक आदमी ने एक पेंटर को अपने घर बुलाया और अपनी नाव दिखाकर कहा कि इसे पेंट कर दो। उस पेंटर ने पेंट लेकर उस नाव को लाल रंग से पेंट कर दिया जैसा कि नाव का मालिक चाहता था। फिर पेंटर ने अपने पैसे लिए और चला गया। अगले दिन नाव का मालिक अचानक उस पेंटर के घर पहुँच गया और उसने एक बहुत बड़ी धनराशि का चेक उस पेंटर को दिया। पेंटर भौंचक्का हो गया और पूछा - किस बात के इतने पैसे? मेरे पैसे तो आपने कल ही दे दिये थे।

मालिक ने कहा - ये पेंट के पैसे नहीं हैं बल्कि ये उस नाव में जो "छेद" था, उसे रिपेयर करने के पैसे हैं।

पेंटर ने कहा - अरे साहब, वो तो एक छोटा सा छेद था, सो मैंने बंद कर दिया था। उस छोटे से छेद के लिए इतना पैसा, मुझे ठीक नहीं लग रहा है।

मालिक ने कहा - दोस्त, तुम्हें पूरी बात पता नहीं, अच्छा मैं विस्तार से समझाता हूँ। जब मैंने तुम्हें पेंट के लिए कहा तो जल्दबाजी में तुम्हें ये बताना भूल गया कि नाव में एक छेद है उसको रिपेयर कर देना और जब पेंट सूख गया तो मेरे दोनों बच्चे उस नाव को समुद्र में लेकर नौकायन के लिए निकल गए। मैं उस वक़्त घर पर नहीं था, लेकिन जब लौट कर आया और अपनी पत्नी से यह सुना कि बच्चे नाव लेकर नौकायन पर गए हैं तो मैं बड़बुदास हो गया। क्योंकि मुझे याद आया कि नाव में तो छेद है। मैं गिरता पड़ता भागा उस तरफ, जिधर मेरे प्यारे बच्चे गए थे। लेकिन थोड़ी दूर पर मुझे मेरे बच्चे दिख गए जो सकुशल वापस आ रहे थे। अब मेरी खुशी और प्रसन्नता का आलम तुम समझ सकते हो।



फिर मैंने छेद चेक किया तो पता चला कि मुझे बिना बताये तुम उसे रिपेयर कर चुके हो। तो मेरे दोस्त उस महान कार्य के लिए तो ये पैसे भी बहुत थोड़े हैं। मेरी औकात नहीं कि उस कार्य के बदले तुम्हें ठीक-ठाक पैसे दे पाऊँ।

अतः जीवन में "भलाई का कार्य" जब मौका लगे, कर देना चाहिए, भले ही वह बहुत छोटा सा कार्य ही क्यों न हो। क्योंकि कभी-कभी वो छोटा सा कार्य भी किसी के लिए अमूल्य हो सकता है। हमें भी किसी की नाव रिपेयरिंग करने के लिए हमेशा तत्पर और प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अच्छे मित्रों को समर्पित....

संकलनकर्ता - लोकेश विशनोई
अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

हिंदी में प्रवीणता -

यदि किसी कर्मचारी ने-

ए. मैट्रिक परीक्षा या उसकी समतुल्य या उससे उच्चतर कोई परीक्षा हिन्दी के माध्यम से उत्तीर्ण कर ली है; या
बी. स्नातक परीक्षा में अथवा स्नातक परीक्षा की समतुल्य या उससे उच्चतर किसी अन्य परीक्षा में हिन्दी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में लिया हो; या

सी. यदि वह इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप में यह घोषणा करता है कि उसे हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है;
तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त कर ली है।

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती मनाई गई

दिनांक 21.02.2022 को राजभाषा विभाग, रायपुर द्वारा मंडल कार्यालय स्थित जयशंकर प्रसाद हिंदी पुस्तकालय में हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम श्री जे. के. पात्रा, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी ने निराला जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी एवं विभिन्न विभागों से उपस्थित कर्मचारियों ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किये। राजभाषा अधिकारी श्री निकेश कुमार पाण्डेय ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान निराला जी की कुछ प्रसिद्ध कविताओं का पाठ किया गया। कुछ कर्मचारियों ने अपनी मौलिक रचनाएं पढ़कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।



हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा हिंदी संबंधी नीति-नियमों के अनुपालन हेतु प्रति तिमाही कम से कम 01 हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाना अपेक्षित है। इसी क्रम में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर द्वारा दिनांक 18.02.2022 को गूगल मीट के माध्यम से 'गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन' विषय पर एक हिंदी कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया। राजभाषा अधिकारी एवं सचिव, नराकास श्री निकेश कुमार पाण्डेय ने इस विषय पर जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में एम्स, महालेखाकार, आयकर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण जैसे विभिन्न केन्द्रीय कार्यालयों एवं उपक्रमों के 59 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया।



हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान -

ए. यदि किसी कर्मचारी ने-

- मैट्रिक परीक्षा या उसकी समतुल्य या उससे उच्चतर परीक्षा हिंदी विषय के साथ उत्तीर्ण कर ली है; या
 - केन्द्रीय सरकार की हिंदी परीक्षा योजना के अन्तर्गत आयोजित प्राज्ञ परीक्षा या यदि उस सरकार द्वारा किसी विशिष्ट प्रवर्ग के पदों के सम्बन्ध में उस योजना के अन्तर्गत कोई निम्नतर परीक्षा विनिर्दिष्ट है, वह परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है; या
 - केन्द्रीय सरकार द्वारा उस निमित्त विनिर्दिष्ट कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है; या
- बी. यदि वह इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप में यह घोषणा करता है कि उसने ऐसा ज्ञान प्राप्त कर लिया है; तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

माह के साहित्यकार सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

जन्म : 21 फरवरी 1899

निधन : 15 अक्टूबर 1961

जन्म स्थान : मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल

प्रमुख कृतियाँ : परिमल, बादल राग, भिक्षुक, विधवा, अनामिका, पंचवटी प्रसंग, तुम और मैं, जूही की कली, राम की शक्ति पूजा, सम्राट अष्टम एडवर्ड के प्रति, सरोज स्मृति, अपरा, बेला, आराधना, तोड़ती पत्थर, दान, नए पत्ते, अणिमा, कुरुरमुत्ता तथा अर्चना ।

विविध : 'छायावाद' के प्रमुख स्तंभ



राम की शक्तिपूजा के प्रमुख अंश

रवि हुआ अस्त, ज्योति के पत्र पर लिखा
अमर रह गया राम-रावण का अपराजेय समर।

आज का तीक्ष्ण शरविधृतक्षिप्रकर, वेगप्रखर,
शतशेल सम्बरणशील, नील नभगर्जित स्वर,
प्रतिपल परिवर्तित व्यूह भेद कौशल समूह
राक्षस विरुद्ध प्रत्यूह, क्रुद्ध कपि विषम हूह,
विच्छुरित वह्नि राजीवनयन हतलक्ष्य बाण,
लोहित लोचन रावण मदमोचन महीयान,
राघव लाघव रावण वारणगत युगम प्रहर,
उद्धत लंकापति मर्दित कपि दलबल विस्तर,
अनिमेष राम विश्वजिह्वा शरभंग भाव,
विद्धांगबद्ध कोदण्ड मुष्टि खर रुधिर स्राव,
रावण प्रहार दुर्वार विकल वानर दलबल,
मुर्छित सुग्रीवांगद भीषण गवाक्ष गय नल,
वारित सौमित्र भल्लपति अगणित मल्ल रोध,
गर्जित प्रलयाब्धि क्षुब्ध हनुमत् केवल प्रबोध,
उद्गीरित वह्नि भीम पर्वत कपि चतुःप्रहर,
जानकी भीरु उर आशा भर, रावण सम्बर ।

लौटे युग दल। राक्षस पदतल पृथ्वी टलमल,
बिंध महोल्लास से बार बार आकाश विकल।
वानर काहिनी खिन्न, लख निज पति चरणचिह्न
चल रही शिविर की ओर स्थविरदल ज्यों विभिन्न।
'राम की शक्तिपूजा' की कुछ अन्तिम पंक्तियाँ देखिए-
"साधु, साधु, साधक धीर, धर्म-धन धन्य राम !"
कह, लिया भगवती ने राघव का हस्त थाम।
देखा राम ने, सामने श्री दुर्गा, भास्वर
वामपद असुर स्कन्ध पर, रहा दक्षिण हरि पर।
ज्योतिर्मय रूप, हस्त दश विविध अस्त्र सज्जित,
मन्द स्मित मुख, लख हुई विश्व की श्री लज्जित।
हैं दक्षिण में लक्ष्मी, सरस्वती वाम भाग,
दक्षिण गणेश, कार्तिक बायें रणरंग राग,
मस्तक पर शंकर! पदपद्मों पर श्रद्धाभर
श्री राघव हुए प्रणत मन्द स्वरवन्दन कर।
"होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन।"
कह महाशक्ति राम के वदन में हुई लीन।

- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

मंडल की गतिविधियाँ संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।